>

Title: Regarding reported police atrocities on BJP demonstrators in Delhi.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): महोदय, कल दिल्ली के अंदर भाजपा कार्यकर्त्ताओं पर इतनी बड़ी ज्यादती हुई।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया आप लोग बैठ जाएं।

â€¦(व्यवधान)

श्री तूफ़ानी सरोज (मछलीशहर): महोदया, उत्तर प्रदेश सरकार क्या कर रही है?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : शान्त हो जाइए। यह क्या उठा रखा है?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग पहले बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: This is not the way.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया :आप लोग बैठ जाइए। आपको समय दे देते हैं। आपको क्या कहना है?

â€¦(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): आप लोग एक-एक करके बोलिए। उनको बोलने नहीं दे रहे हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please sit down. You must first sit down. Please take your seats.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : प्लीज आप लोग बैठिए। क्या कागज दिखा रहे हैं, इसको मत दिखाइए। इसको नीचे करिए।

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) â€¦ *

अध्यक्ष महोदया : आप क्यों खड़े हैं, आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please sit down. Please take your seats. You must first sit down.

...(*Interruptions*)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : महोदया, कल दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ जंतर-मंतर पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्त्ता प्रदर्शन कर रहे थे, हमारा शांतिपूर्ण प्रदर्शन था। लोकतंत्र में आवाज उठाना हमारा काम है। कल अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करते हुए भाजपा कार्यकर्त्ताओं के शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर दिल्ली में बर्बरतापूर्ण तरीके से कार्यकर्त्ताओं को इतना मारा पीटा गया है, 40 से ज्यादा कार्यकर्त्ता घायल हैं और राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कागज मत दिखाइए। कागज नीचे कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : महोदया, पुलिस लोगों पर पत्थर फेंक रही है, चोट लगने से कार्यकत्ताओं की आंखें निकल गयीं, महिलाओं को मारा गया। कई लोगों की कॉलर बोन टूट गयी, रीढ़ की हड्डी टूट गयी। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please conclude. Let us take up the Question Hour.

...(*Interruptions*)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : दिल्ली में केन्द्र सरकार की दिल्ली पुलिस ने जिस तरह की हरकत की है, उस पर सरकार को रिस्पांड करना चाहिए, उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं पर जुल्म की इंतिहा की गयी है। कल विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज जी एवं हमारी पार्लियामेंटरी पार्टी के चेयरमैन माननीय आडवाणी जी एवं पार्टी के अन्य नेता देखकर आए हैं। यह ज्यादती और बर्बरतापूर्ण कार्य इमरजेंसी की याद दिलाता है। क्या लोकतंत्र में प्रदर्शन करना जुर्म है। इस पर कार्रवाई होना चाहिए और इस पर रिस्पांड करना चाहिए।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर): महोदया, मैं तो अपेक्षा करता था कि कल दिल्ली में जो घटना हुई, उसके बाद गृह मंत्री स्वयं आकर सदन में कोई बयान देंगे, कोई जानकारी देंगे कि क्या हुआ, कैसे हुआ। मुझे शाम को जब सदन की कार्यवाही स्थगित हुई, मैं घर जा रहा था, तब इस घटना की सूचना मिली। उसके बाद मैं फौरन अस्पताल गया। वहां का दृश्य देखकर मैं हैरान रह गया। मैं दिल्ली की व्यवस्था से 1957 से परिचित हूं। सन् 1957 में पहली बार मैं दिल्ली आया, तब से मेरा केन्द्र दिल्ली रहा। सन् 1957 के बाद 1958 में पहली बार दिल्ली में कार्पोरेशन का चुनाव हुआ था। मैं मानता हूं कि भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में पहली बार अगर उसे प्रमुख विरोधी दल का स्थान मिला तो दिल्ली में मिला। यहां कार्पोरेशन के चुनाव में कांग्रेस पार्टी के 27 और हमारे 25 सदस्य इलेक्ट हुए। सन् 1957 से लेकर आज तक मुझे स्मरण नहीं कि कभी पुलिस ने इस प्रकार का बर्बर अत्याचार किया हो, जैसा कल उन्होंने किया। बिना कारण के, केवल प्रदर्शन हो रहा था भ्रष्टाचार के खिलाफ, उसके खिलाफ पुलिस द्वारा बर्बर अत्याचार हमारे कार्यकर्ताओं पर किया गया। मैं अपेक्षा करता हूं कि सरकार इस बारे में विस्तार से बयान दे कि क्या हुआ, कैसे हुआ। इतने लोगों की हड्डियां टूट जाएं, किसी की आंख फूट जाए, ऐसा बर्बर अत्याचार पहले कभी नहीं हुआ था। मैं कल यह देखकर दंग रह गया। नार्मली मैं जब कहीं ऐसी जगह पर जाता हूं तो वहां का कोई डाक्टर भी आकर बताता है कि क्या स्थिति है, लेकिन वहां ऐसा कुछ नहीं हुआ, किसी को इसकी चिंता नहीं थी। लगता था जैसे ये कोई टैररिस्ट्स हैं, जिन्हें मारा गया है, ऐसा भयानक मंजर था।

मेरा निवेदन है सदन के नेता से कि इस मामले में सरकार बयान दे कि क्या हुआ, क्यों हुआ। भ्रष्टाचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना क्या अपराध है, जिसके कारण इस प्रकार बर्बरता से मारा जाए। जिसने भी इस प्रकार की सूचना दी है, क्योंकि मुझे नहीं लगता बिना किसी सूचना के इस प्रकार का अत्याचार करने की हिमाकत पुलिस कर सकती है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। हम चाहते हैं कि इस पर सरकार की ओर से बयान आना चाहिए।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, MINISTER OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND MINISTER OF EARTH SCIENCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Madam, I take note of what Shri Advani and Shri Shahnawaz Hussain have said with all the seriousness their words demand and I assure the House that I will just get in touch with the hon. Home Minister and convey this to him immediately.

अध्यक्ष महोदया: अब आप क्यों खड़े हो गए हैं, गणेश सिंह जी बैठ जाएं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: यह कोई तरीका नहीं है। कृपया अपना-अपना स्थान ग्रहण करें और प्रश्न काल चलने दें।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: कोई बात रिकार्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान) *